न्यूज डायरी

हॉन्ग कॉन्ग का समर्थन करने पर भड़का चीनी मीडिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। हॉन्ग कॉन्ग पर जबरदस्ती नया सुरक्षा कानून थोप रहे चीन को भारतीय विशेषज्ञों की टिप्पणी इतनी नागवार गुजरी कि उसने आग से न खेलने की नसीहत दे डाली। चीन सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि हॉन्ग कॉन्ग का समर्थन कर भारतीय विशेषज्ञ वन–चाइना नीति का उल्लंघन कर रहे हैं। अखबार ने लिखा कि ये विश्लेषक चीन की क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने के संकल्प को भी कमतर आंक रहे हैं। ग्लोबल टाइम्स ने आरोप लगाया है कि भारत के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अरविंद गुप्ता सहित कुछ अन्य भारतीय विशेषज्ञों ने कहा था कि भारत को हॉन्ग कॉन्ग में लोकतांत्रिक आंदोलन का समर्थन करना चाहिए। इतना ही नहीं, उन्होंने सुझाव दिया था कि भारत सरकार को ताइवान के साथ आर्थिक और तकनीकी संबंधों को बढ़ाना चाहिए और तिब्बत में लोगों की मदद करने के लिए विरोध प्रदर्शन का आयोजन भी करना चाहिए।

उत्तर कोरिया ने असैन्य क्षेत्र में दाखिल होने की धमकी दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। उत्तर कोरिया की सेना ने मंगलवार को उन क्षेत्रों में वापस लौटने की धमकी दी है जिसे अंतर–कोरियाई शांति समझौते के तहत असैन्य क्षेत्र घोषित किया गया है। उत्तर कोरिया अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के साथ परमाणु वार्ता रूकने के बाद से अपने चिर प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया पर लगातार दबाव बनाना जारी रखे हुए है। कोरियन पीपल्स आर्मी के जनरल स्टाफ ने कहा कि जिन क्षेत्रों को दक्षिण कोरिया के साथ समझौते के बाद असैन्य क्षेत्र बनाया गया था, उन अनिर्दिष्ट सीमावर्ती क्षेत्रों में आगे बढ़ने की सत्तारूढ़ पार्टी की सिफारिशों की सेना समीक्षा कर रही है। इससे पहले उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की शक्तिशाली बहन भी कह चुकी हैं कि किसोंग में सीमा से लगते हुए क्षेत्र में श्बेकारश पड़े अंतर–कोरियाई 'संपर्क कार्यालय' को खत्म कर दिया जाए और 'दुश्मन' दक्षिण कोरिया के साथ आगे का निर्णय सेना करे। हालांकि अभी स्पष्ट नहीं है कि उत्तर कोरिया की सेना क्या करेगी लेकिन उसका यह धमकी देना जारी है कि वह सीमा पर तनाव कम करने के लिए 2018 में हुए द्विपक्षीय सैन्य समझौते से अपने हाथ पीछे खींच सकती है।

गुतारेस ने काली सूची से सऊदी गठबंधन को बाहर निकाला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने यमन सरकार का समर्थन करने वाले सऊदी नीत गठबंधन को उस वैश्विक काली सूची से बाहर निकाल दिया है जिसमें उन सशस्त्र समूहों और सरकारोंध्देशों को शामिल किया जाता है जिनकी गतिविधियों की वजह से संघर्ष क्षेत्र में बच्चों को नुकसान पहुंचता है। हालांकि इस फैसले का कई मानवाधिकार समूहों ने विरोध किया है। सोमवार को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बच्चों और सशस्त्र संघर्ष को लेकर सालाना रिपोर्ट जारी की। इसमें सऊदी नीत गठबंधन को सरकारी बलों और सशस्त्र समूहों वाली इस नई सूची से बाहर निकाल दिया गया है। यह सूची बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से तैयार की जाती है। सऊदी नीत गठबंधन अमेरिका समर्थित यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार को हुती शिया विद्रोहियों और उनके सहयोगियों से लड़ाई में मदद कर रहा है।

अमेरिका जर्मनी में सैनिकों की संख्या घटाकर 25 हजार करेगा, ट्रंप ने की पुष्टि

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यहां कहा कि अमेरिका जर्मनी में अपने सैनिकों की मौजूदा संख्या करीब 52,000 से घटाकर 25,000 करेगा। व्हाइट हाउस में सोमवार को संवाददाताओं से बात करते हुए ट्रंप ने इस कदम के पीछे बड़े खर्च को वजह बताया और कहा कि जर्मनी नाटो को भुगतान करने में 'विलंब' कर रहा है। ट्रंप ने आरोप लगाया, '' जर्मनी में हमारे 52,000 सैनिक हैं। सैनिकों की संख्या काफी ज्यादा है। अमेरिका के लिए यह बड़ा खर्च है और जैसा कि आप जानते हैं कि जर्मनी नाटो को भुगतान करने में काफी विलंब करता है।''

भारत के सैनिकों ने चीनी जवानों पर हमला कियाः चीन

धौंस

भारत एकतरफा कार्रवाई न करे या समस्या को न भड़काए

■दोनों ही पक्षों के बीच गंभीर शारीरिक संघर्ष हुआ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। पूर्वी लद्दाख में सोमवार रात को भारत के 3 सैनिकों की पीट–पीटकर हत्या करने के बाद चीन अब उल्टे भारत पर ही धौंस दिखा रहा है। चीन के विदेश मंत्रालय से जब भारतीय जवानों की शहादत के बारे में पूछा गया तो उसने कहा कि भारत एकतरफा कार्रवाई न करे या समस्या को न भड़काए। चीन ने दावा किया कि भारत के सैनिकों ने सीमा को पार किया और चीनी जवानों पर हमला किया।

इस बीच चीनी विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, भारतीय सैनिकों ने दो बार सीमा पार करके चीनी सैनिकों के खिलाफ उकसावे वाली कार्रवाई की जो दोनों पक्षों के बीच बनी सहमति के खिलाफ है। इसकी वजह से दोनों ही पक्षों के बीच गंभीर शारीरिक संघर्ष हुआ। चीन ने भारतीय पक्ष से इस पर आपत्ति जताई है। हमने भारत से अनुरोध किया है कि वह अपने सैनिकों पर सीमा को पार करने पर कड़ाई से नियंत्रण रखे या एकतरफा कार्रवाई करने से बचे जो सीमा की स्थिति को और ज्यादा जटिल बना सकता है।

उधर, चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजिन से जब इस हिंसक झड़प के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें भारत की सीमा पर हुये इस झड़प के बारे में कोई जानकारी नहीं है। बताया जा रहा है कि इस झड़प में भारत ने एक अधिकारी और दो जवानों के साथ चीन के भी कई जवान हताहत हुए हैं। इस घटना के बाद पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है।

गलवान घाटी में सेनाओं को पीछे करने की कवायद के दौरान दोनों देशों की सेनाओं में झड़प की खबर है। सेना के मुताबिक, हिंसक संघर्ष में भारत ने एक अधिकारी और दो जवान खो दिए हैं। चीन की तरफ कितना नुकसान हुआ है, इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है। इस बड़े घटनाक्रम के बाद, दोनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मुलाकात कर हालात संभालने की कोशिश में लगे हुए हैं।

1975 के बाद चली गोली?: भारत और चीन के बीच सीमा पर आखिरी गोली 1975 में चली थी। जैसी खबरें आ रही हैं, उसके मुताबिक गलवान घाटी में करीब 40 साल बाद यह सिलसिला टूट गया है। गलवान घाटी उन पॉइंट्स में है जहां चीन की सेना ने घुसपैठ की थी। दोनों देशों के बीच कई दौर की बातचीत के बाद, चीनी सेना कुछ पॉइंट्स से वापस हटने लगी थी। मगर इस घटना के बाद, सीमा पर तनाव और बढ़ने की आशंका है।

चीन ने पैदा किया है एलएसी पर तनावः मई के शुरुआती दिनों में चीनी सैनिकों ने एलएसी पर आक्रामक रुख अपनाना शुरू किया। पूर्वी लद्दाख में चार जगहों पर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने घुसपैठ की। बड़ी संख्या में चीनी सैनिक आर्टिलरी और बख्तरबंद गाड़ियों के साथ एलएसी के पास मौजूद हैं।

फिर लौटा न्यूजीलैंड में कोरोना वायरस

प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डर्न ने दी चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वेलिंगटन। कोरोना वायरस से मुक्त हो चुके न्यूजीलैंड में एक बार फिर से यह महामारी लौट आई है। न्यूजीलैंड ने गुरुवार को ऐलान किया कि देश में कोरोना संक्रमण के दो नए मामले सामने आए हैं। ये दोनों ही लोग हाल ही में ब्रिटेन से लौटे हैं। इसके साथ ही न्यूजीलैंड के नए कोरोना वायरस मामलों से मुक्त रहने का 24 दिनों से चला आ रहा सिलसिला टूट गया।

न्यूजीलैंड ने कोरोना वायरस के एक भी मामले सामने नहीं आने के बाद पिछले सप्ताह सभी आर्थिक और सामाजिक प्रतिबंधों को हटा लिया था। इस बीच देश की प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डर्न ने चेतावनी दी थी कि आने वाले समय और ज्यादा नए मामले सामने आ सकते हैं क्योंकि देश के कुछ नागरिक घर लौट रहे हैं और कुछ अन्य को विशेष परिस्थितियों में आने की अनुमति दी जा रही है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि ये दोनों ही लोग ब्रिटेन से लौटे थे और एक–दूसरे से जुड़े हुए हैं। इससे पहले स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया था कि अंतिम व्यक्ति जिसमें संक्रमण की पुष्टि हुई थी, वह स्वस्थ हो गया है।

विशेषज्ञों के मुताबिक 50 लाख की आबादी वाले इस देश को बीमारी का सफाया करने में कई कारकों ने मदद दी।

नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर को पैसे देगा भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। नेपाल से चल रहे तनाव के बावजूद भारत ने यहां विश्ध्व प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में 2.33 करोड़ रूपये की लागत से स्वच्छता केंद्र के निर्माण की प्रतिबद्धता जताई है। आधिकारिक बयान के मुताबिक श्रद्धालुओं के लिए इस पवित्रस्थल पर इंफ्रास्ट्रक्च्चर में सुधार करने के मकसद से स्च्वच्छता केंद्र का निर्माण होगा। इस परियोजना का निर्माण 'नेपाल–भारत मैत्रीरू विकास साझेदारी' के तहत भारत के उच्च प्रभाव वाले सामुदायिक विकास योजना के तौर पर होगा। यह मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के तहत भी सूचीबद्ध है। यहां भारतीय दूतावास की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई।

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया से संपर्क के लिए बने कार्यालय को बम से उड़ायाः रिपोर्ट

एक्शन प्लान का अध्ययन कर रही उत्तर कोरियाई सेना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सोल। उत्तर कोरिया के दक्षिण कोरिया की सीमा पर सेना भेजने की धमकी के बाद कुछ ही देर बाद केसोंग में जोरदार धमाका हुआ है और धुआं निकलता दिखाई दिया है। माना जा रहा है कि उत्ध्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की सीमा से लगे इस संयुक्त औद्योगिक कॉम्ध्प्लेक्स में बने संपर्क कार्यालय को विस्फोट करके उड़ा दिया है। इस घटना के बाद परमाणु हथियारों से लैस उत्ध्तर कोरिया और पड़ोसी दक्षिण कोरिया के बीच तनाव काफी गहरा गया है।

दक्षिण कोरियाई न्यूज एजेंसी योन्हप ने सैन्य सूत्रों के हवाले से कहा कि आज दिन में जोरदार धमाके की आवाज सुनी गई है। सेना ने कहा है कि वे विस्फ्फोट के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं। किम जोंग उन की ताकतवर बहन ने इस कार्यालय को बेकार करार दिया था। इससे पहले उत्तर कोरिया की सेना ने चेतावनी दी थी कि वह दक्षिण कोरिया के साथ लगती सीमा पर स्थित विसैन्यीकृत इलाके में सेना भेजने के लिए तैयार है।

बताया रहा है कि सीमा पर उत्तर कोरियाई विद्रोहियों के आलोचना वाले गुब्बारे उड़ाने से नाराज उत्तर कोरिया की सेना ने यह धमकी दी है। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की धमकी दी थी। किम यो ने खराब होते रिश्तों और सीमा पर उत्ध्तर कोरिया विरोधी गुब्बारों को रोकने में असमर्थ रहने के लिए भी दक्षिण कोरिया पर हमला बोला था। दक्षिण कोरिया जल्द ही सीमा पर बने बेकार संपर्क कार्यालय के बंद होने का गवाह बनेगा।

इस बीच दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि वह ताजा धमकी के बारे में अमेरिका के साथ चर्चा कर रहा है और उत्तर कोरिया के सैन्य कदमों पर नजर बनाए हुए है। उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच बना संपर्क कार्यालय कोरोना वायरस की वजह से जनवरी से बंद है।

ब्रिटेन में कोरोना वायरस की बेहद सस्ती वैक्सीन का ट्रायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। दुनियाभर में जारी कोरोना वायरस के कहर के बीच ब्रिटेन, अमेरिका और चीन से तीन अच्छी खबरें आई हैं। ब्रिटेन में कोरोना वायरस की दूसरी वैक्सीन बनकर तैयार हो गई है और बुधवार से इसका ट्रायल शुरू हो जाएगा। उधर, अमेरिकी कंपनी मॉडर्ना की वैक्सीन उत्छ।–1273 के तीसरे चरण का ट्रायल अगले महीने शुरू होने जा रहा है जिसमें 30 हजार लोग हिस्सा लेंगे। इस बीच चीन की कंपनी ने कहा है कि वैक्सीन लगने के बाद 90 प्रतिशत लोगों में कोरोना से लड़ने की क्षमता सामने आई है। द टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन के इंपीरियल कॉलेज की वैक्सीन बनकर तैयार हो गई है और बुधवार से उसका परीक्षण हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर यह वैक्च्सीन कारगर पाई गई तो इसे करीब 300 रुपये में उपलब्ध करा दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि पहले चरण में 120 लोगों को यह टीका दिया जाएगा। इस वैक्च्सीन के प्रभारी प्रफेसर रॉबिन शटॉक ने कहा कि उनकी टीम इस टीके को बेहद सस्ता रखने की कोशिश कर रही है ताकि बेहद कम दाम पर ब्रिटेन की पूरी आबादी को टीका लगाया जा सके।